प्राइमरी अमीबकि मेनगिोएन्सेफलाइटसि

स्रोत : द हदि

केरल ने इस दुर्लभ लेकनि घातक संक्रमण के हाल के मामलों के बाद **प्राइमरी अमीबकि मेनगिोएन्सेफलाइटसि ((Primary Amoebic Meningoencephaliti - PAM)** के नदिान, प्रबंधन और रोकथाम के लयि तकनीकी दशिा-नर्दिेश जारी कयि हैं।

- केरल स्वास्थ्य वभिाग ने **मैनजिाइटसि मामलों** से नपिटने के लयि SOP जारी कयि हैं, जो इस दुर्लभ संक्रमण के लयि भारत में संभवतः दशिा-नर्दिेशों का पहला सेट है। अधकिांश मामलों में अमीबकि परजीवी **नेगलेरयिा फाउलेरी (Naegleria Fowleri)** की पहचान की गई, जसिमें से एक मामले में **वर्मअमीबा वर्मीफॉर्मसि** (**Vermamoeba Vermiformis**) की भी पहचान की गई।
- **रोग की वशिषताएँ:** PAM **नेगलेरयिा फाउलेरी** के कारण होता है, जो गर्म, स्थरि मीठे जल में स्वतंत्र रूप से मलिने वाला अमीबा है और इसकी मृत्यु दर बहुत अधकि (>97%) है।
  - इसे "**ब्रेन ईटगि अमीबा**" के रूप में जाना जाता है, यह नाक के मार्ग से मस्तष्कि को संक्रमति करता है, जसिसे मस्तष्कि के ऊतकों को गंभीर नुकसान होता है। वशिेष रूप से बच्चे इसके प्रतसिंवेदनशील होते हैं, हाँलाकि PAM एक व्यक्तसिे दूसरे व्यक्तमिें या दूषति जल पीने से नहीं फैलता है।
- **लक्षण और नदिान:** इसके लक्षणों में सरिदर्द, बुखार, मतली और उल्टी शामलि हैं। PAM का नदिान चुनौतीपूर्ण है और अक्सर इसे **बैक्टीरयिल मैनजिाइटसि** समझ लयि जाता है।
  - बैक्टीरयिल मैनजिाइटसि का आशय मेनन्जिेस (जो **मस्तष्कि और मेरुदंड का सुरक्षात्मक आवरण** है) में होने वाला संक्रमण है, जसिके परणिामस्वरूप इसमें सूजन आ जाती है। यह एक गंभीर और जानलेवा स्थतिि है।
- **उपचार:** प्रारंभकि नदिान और एंटीमाइक्रोबयिल की समय पर शुरुआत महत्त्वपूर्ण है। इसकी इष्टतम उपचार व्यवस्था अभी भी अनश्चिति है।
- **रोकथाम के उपाय:** स्थरि मीठे जल के संपर्क में आने से बचने एवं नोज़ प्लग का उपयोग करने के साथ PAM को रोकने के लयि स्वमिगि पूल का उचति क्लोरीनीकरण एव रखरखाव सुनश्चिति करना चाहयि।
- **वर्मअमीबा वर्मीफॉर्मसि** एक मुक्त-अवस्था में मलिने वाला अमीबा है जो मीठे जल के स्रोतों सहति प्राकृतकि एवं मानव नर्मिति वातावरण में पाया जाता है।

और पढ़ें : **नेगलेरयिा फाउलेरी: "ब्रेन ईटगि अमीबा"**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/primary-amoebic-meningoencephalitis